

इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना का संक्षिप्त विवरण

गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सैद्धान्तिक रूप से स्वीकृत पैकेज-

154 बी०ओ०पी० को बार्डर मार्ग से जोड़ने हेतु 640 कि०मी० लागत रू० 2.53 करोड़ प्रति कि०मी० की दर से रू० 1621 करोड़ की स्वीकृत।

सम्मिलत जिले

पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराईच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर एवं महाराजगंज

कुल डी०पी०आर०	28
परियोजना की वास्तविक लं० (राष्ट्रीय मार्ग को छोड़कर)	570 कि०मी०
वन प्रभावित लं०	302 कि०मी०
भूमि अध्याप्ति लं०	246 कि०मी०
उपलब्ध भूमि	21.2 कि०मी०
भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृत	
स्वीकृत पैकेज	12
स्वीकृत लंबाई	257 कि०मी०
वास्तविक लंबाई (पुनरीक्षित संरेखण के अनुसार)	252.40 कि०मी०
वन भूमि से प्रभावित लंबाई	32 कि०मी०
भूमि अध्याप्ति हेतु लंबाई	201 कि०मी०

भौतिक प्रगति

क्रय की गयी भूमि	88.44 कि०मी०
पूर्ण की गयी फार्मेशन लेबल	86.01 कि०मी०
पूर्ण की गयी लेपित लंबाई	48.71 कि०मी०

वित्तीय प्रगति

भारत सरकार द्वारा स्वीकृत लागत	रु० 736 करोड़
उ०प्र० सरकार द्वारा स्वीकृत लागत	रु० 747 करोड़
भारत सरकार द्वारा अवमुक्त की गयी धनराशि	रु० 381.57 करोड़
03/16 तक व्यय	रु० 258.35 करोड़
वित्तीय वर्ष 2016-17 का आवंटन	रु० 147.93 करोड़
वित्तीय वर्ष 2016-17 में व्यय (12/16)	रु० 19.32 करोड़
12/16 तक कुल व्यय	रु० 277.68 करोड़

दिनांक 25.10.2016 को प्रमुख सचिव, उ०प्र० शासन की अध्यक्षता में एस०एस०बी० के अधिकारियों, राजस्व एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ की गयी बैठक में यह निर्देशित किया गया था कि एस०एस०बी० द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र तीन दिन के अंदर दिया जायेगा कि इस मार्ग का उपयोग उनके द्वारा किया जायेगा जिससे वन विभाग द्वारा उसके बदले कोई भूमि नहीं ली जायेगी। जो अभी तक अपेक्षित है। मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर के पत्रांक 1716आई०एन०बी०/53आई०एन०बी०/2016 दि० 11.01.2016 द्वारा प्रमाण पत्र प्रेषित करने हेतु अनुस्मारक एस०एस०बी० को भेजा गया है।